केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, दिल्ली

Central Board of Secondary Education, Delhi

Fictitious Roll No.
(To be entered by Board)

(परीक्षार्थी भरें To be filled in by the candidate)

परीक्षार्थी प्रश्न–पत्र के ऊपर लिखें कोड को दर्शाये गये बॉक्स में लिखें
Candidate should write code no. as written on the top of the question paper in this box → 3/2

अतिरिक्त उत्तर–पुस्तिका (ओं) की संख्या
No. of supplementary answer-book (s) used →

परीक्षा का नाम Name of the examination AISSE -2013

कक्षा Class X

विषय Subject Hindi

परीक्षा का दिन एवं तिथि
Day & Date of the Examination Monday (4.3.2013)

उत्तर देने का माध्यम Medium of answering the paper Hindi

किसी शारीरिक अक्षमता से प्रभावित हो तो सम्बन्धित वर्ग में ✓ का निशान लगायें

B	D	H	S	C

B = दृष्टिहीन, D =मूक व बधिर, H =शारीरिक रूप से विकलांग, S = स्पास्टिक, C = डिस्लेक्सिक
If Physically challenged, tick the category

खण्ड - क

प्र०1- अपठित गद्यांश

सुरक्षा - - - - - - - - - - - स्रोत है।

(i) (घ) बुद्धि की शक्ति के कारण।

(ii) (क) प्राकृतिक आपदाओं से अपने को सुरक्षित करना।

(iii) (ग) उसे सुखमय जीवन यापन मे मदद करते है।

(iv) (ख) अपनी प्राण - रक्षा के लिए जरूरी हो जाता है।

(v) (घ) सुरक्षा और मानव - विकास

प्र०2- अपठित गद्यांश

नेहरू - - - - - - - - - - - नही किया।

(i) (ख) जन्मजात वैभवशाली एवं सुविधासंपन्न व्यक्ति थे।

(ii) (घ) वैभवपूर्ण जीवन

(iii) (घ) नौ वर्ष जेल मे रहकर अमर कृतियों की रचना।

(iv) (घ) अंग्रेजी शासन का

(v) (ख) संयुक्त

प्र०3- अपठित पद्यांश

आओ मिलकर - - - - - - - - - - पर भूल?

(i) (ख) मतभेद भुलाकर मिल-बैठकर अपनी भूल स्वीकारना
(ii) (ग) सामाजिक स्थिति
(iii) (ख) एकता न होने और भेदभाव बढ़ने से
(iv) (घ) जनता के कष्ट बढ़ गए हैं।
(v) (क) मतभेद भुलाकर संगठित होना अच्छा है

प्र०4- अपठित पद्यांश
पुरानी होने ------------ सा अमृत।
(i) (ग) नवीनता मनुष्य को प्रिय होती है।
(ii) (ग) पुराने सड़े-गले विचारों से
(iii) (ग) प्यार के अमृत से
(iv) (क) मन की बुरी भावनाएँ
(v) (क) घृणा का परित्याग एवं प्रेम भाव की स्वीकृति

खण्ड-ख

प्र5- पद-परिचय
(क) मनुष्यता - संज्ञा, (भाववाचक), एकवचन, कर्ता कारक, 'हो गई है' क्रिया का कर्ता
(ख) सैकड़ों - विशेषण (संख्यावाचक), पुल्लिंग, बहुवचन, 'घटनाएँ' विशेष्य

(ग) तुरंत - अविकारी, क्रियाविशेषण (कालवाचक), 'चले जाओ' क्रिया की विशेषता बताता है।
(घ) उस - विशेषण (सार्वनामिक), पुल्लिंग, एकवचन, 'विद्यालय' विशेष्य
(ङ) प्राप्तकरता है - क्रिया, सकर्मक, पुल्लिंग, एकवचन, अन्य पुरुष, वर्तमानकाल

प्र०6 - निर्देशानुसार उत्तर दीजिए -
(क) वह चौराहे पर खड़ा हुआ और उसकी प्रतीक्षा करने लगा।
(ख) जैसे ही उसने ऊँचा पद पाया वैसे ही वह और भी विनम्र हो गया।
(ग) मिश्र वाक्य
(घ) मैं अपनी संतान को योग्य बनाना चाहता हूँ।
(ङ) मिश्र वाक्य

प्र०7 - निर्देशानुसार उत्तर दीजिए।
(क) आइए, यहाँ बैठा जाए।
(ख) किसान के द्वारा सूखे पौधों को सींचा जाता है।
(ग) इस मैदान में सब धागों को इकट्ठा करो।
(घ) हमारे द्वारा इतने कष्ट सहन नहीं किए जाएँगे।
(ङ) भाववाच्य

P.T.O.

प्र०८- अलंकार
(क) उपमा अलंकार
(ख) अनुप्रास अलंकार
(ग) उत्प्रेक्षा अलंकार
(घ) रूपक अलंकार
(ङ) यमक अलंकार

खण्ड - ग

प्र०९- पठित गद्यांश
(क) जन्मी तो - - - - - - - - - - सदैव तत्पर।
(i) (ख) स्मृतियों की शृंखला
(ii) (ग) ऊपरी मंजिल में स्थित उनके अध्ययन कक्ष तक
(iii) (क) बहुत कृपण और गुस्सैल थीं
(iv) (ग) बोलकर लिखाना
(v) (ख) उद्यत

प्र०१० बिस्मिल्ला खाँ - - - - - - - - - - ?
बिस्मिल्ला खाँ के व्यक्तित्त्व की निम्नलिखित विशेषताएँ हमें प्रभावित करती हैं।

1. शहनाई सम्राट- बिस्मिल्ला खाँ शहनाई सम्राट थे। उन्हे शहनाई वादन में महारथ हासिल थी।
2. सांप्रदायिक सद्भाव - वे गंगा -जमुनी संस्कृति के प्रतीक थे। उनकी हिंदू -मुस्लिम दोनों धर्मों मे गहरी आस्था थी। वे दोनो धर्मों को समान भाव से देखते थे।
3. सच्चे साधक- वे एक सच्चे साधक थे। वे प्रतिदिन पाँच बार नमाज अदा करते थे और खुदा से सच्चे सुर की नेमत माँगते थे। अस्सी वर्ष की आयु में भी वे प्रतिदिन अभ्यास करते थे।
4. काशी - प्रेमी - बिस्मिल्ला खाँ काशी प्रेमी थे। वे जब भी काशी से दूर होते, वे एक बार अपनी शहनाई काशी की तरफ मोडकर जरूर बजाते थे।

ये सब विशेषताएँ हमे प्रभावित करती है क्योंकि यही विशेषताएँ उन्हें एक श्रेष्ठ व्यक्ति बनाती हैं।

प्र४.- प्रश्नों के उत्तर दें -

क) महावीर प्रसाद द्विवेदी के ....?

उ- महावीर प्रसाद द्विवेदी के निबंध के अनुसार पुरातन काल मे स्त्रियाँ पढ़ी लिखी थी। उस समय स्त्रियों को पढ़ने की अनुमति थी। आज के समय में भी स्त्री शिक्षा प्रचलित है। परंतु कुछ लोग स्त्री शिक्षा को पाप मानते हैं और विरोध करते हैं। परंतु इस निबंध आलोक में लोगों के दृष्टिकोण में परिवर्तन आया है। अब लोग स्त्री -शिक्षा को बढ़ावा देने लगे हैं। स्त्री शिक्षा को रोकने की बजाय उसमें सुधार करने लगे हैं।

ख) बिस्मिल्ला खाँ ------------?

उ०-1. बिस्मिल्ला खाँ शहनाई सम्राट हैं। उन्हें शहनाई वादन में महारथ हासिल है। वे सर्वश्रेष्ठ शहनाई वादक हैं।

2. शहनाई मंगल ध्वनि का वाद्य यंत्र है। इसे बजाने में नायक होने के कारण। उन्हें शहनाई की ~~मंगलि~~ मंगल ध्वनि का नायक कहा जाता है।

ग) 'संस्कृति' निबंध ------------ गया है?

उ० 1. मानव की ज्ञान पाने की इच्छा को न्यूटन के उदाहरण द्वारा स्पष्ट किया गया है। कि जब न्यूटन ने ~~गुरुत्वाकर्षण~~ गुरुत्वाकर्षण सिद्धांत की खोज की, तब उसका तन ढका था और उसका पेट भरा था, परंतु उसकी ~~ज्ञान~~ पाने की इच्छा ने उसे बैठने नहीं दिया।

2. सुई धागे की खोज और आग की खोज मनुष्य की भौतिक प्रेरणा का परिणाम था। अपने तन ढकने की इच्छा ने सुई-धागे की खोज और जानवरों से सुरक्षा, सर्दी से बचाव के लिए आग की खोज की गई।

प्र०2 - पठित काव्यांश

नाथ संभु ------------ रिपु मोरा।

(क) 'नाथ' शब्द द्वारा श्रीराम परशुराम को संबोधित कर रहे हैं।

(ख) 'एक दास तुम्हारा' कथन वक्ता की विनम्रता का द्योतक है।

(ख) कविता के अनुसार जो सेवा करता है, वही सेवक है।
(घ) परशुराम लड़ाई करने को 'अरिकरनी' कह रहे हैं। यहाँ पर इसका प्रयोग धनुष तोड़ने के लिए हुआ है।
(ङ) 'कोही' अर्थात क्रोधी। क्रोधी स्वभाव के कारण मुनि के साथ 'कोही' विशेषण का प्रयोग किया गया है।

प्र०3 प्रश्नों के उत्तर दें
(क) "साहस और शक्ति के साथ विनम्रता भी हो तो बेहतर है।" साहस और शक्ति वीरता के प्रतीक हैं। यदि कोई मनुष्य केवल अपनी साहस और शक्ति का विश्लेषण करता रहता है और उग्र होता है, वह सबको बुरा लगने लगता है। जैसे लक्ष्मण और परशुराम के उग्र स्वभावी होने के कारण सब उनका विरोध करने लगते हैं। परंतु अगर व्यक्ति साहसी और शक्तिशाली होते हुए विनम्रता का प्रदर्शन करता है, तो वह सबको प्रिय लगता है। राम ने भी अपनी विनम्रता से सबका हृदय जीत लिया था।

(ख) 'छाया मत छूना' - - - - - - - - - - - - - - - - - - - ।
उ० मन के दुख को बढ़ाने वाले निम्न कारण हैं।
1) विगत की मधुर स्मृतियों को याद करना। इससे मन को दो गुना दुख पहुँचता है।
2) यश, वैभव, मान के पीछे - पीछे दौड़ना अर्थात यशलिप्सा, धनलिप्सा आदि।
3) प्रभुत्व की तलाश करना। अपने आप को श्रेष्ठ दिखाने की कोशिश करना।

(ग) आपकी दृष्टि - - - - - - - - - - - - - ?

उ॰ हमारी दृष्टि से कन्या के साथ 'दान की बात करना तब तक उचित है
जब कन्या को निर्जीव वस्तु न समझकर एक सजीव मनुष्य समझा जाए।
पिता अपनी कन्या को श्रेष्ठ व्यक्ति को दे क्योंकि दान उचित व्यक्ति को
ही दिया जाता है। क्योंकि कन्या का दान हमारे समाज में सबसे बड़ा
दान माना गया है। परंतु यदि ससुराल पक्ष वाले कन्या को वस्तु समझकर
उसके साथ अत्याचार करते हैं, तब यह अनुचित कहलाएगा।

(घ) लक्ष्मण ने - - - - - - - - - - - - ?

उ॰ लक्ष्मण ने परशुराम को धनुष के टूट जाने के लिए निम्नलिखित तर्क दिए।

1. हमने बचपन में अनेक धनुष तोड़े हैं, तब तो आपने क्रोध नहीं किया।
फिर इस धनुष से इतना मोह किसलिए।

2. इस पुराने धनुष को तोड़ने से क्या लाभ या हानि हो गई है।

(ङ) राम, लक्ष्मण एवं - - - - - - - - - - ?

उ॰ राम, लक्ष्मण एवं परशुराम में मुझे राम का व्यवहार सबसे अधिक
अच्छा लगा क्योंकि –

1. वे साहसी, शक्तिशाली होते ही भी विनम्र थे।

2. वे अपने बड़ों, गुरुजनों और ऋषि-मुनियों सबका आदर करते थे।

प्र०4 - एक संवेदनशील - - - - - - - - - - - उत्तर दीजिए।

उ० एक संवेदनशील युवा नागरिक के रूप मे पर्यावरण - प्रदूषण को रोकने मे हमारी महत्त्वपूर्ण भूमिका हो सकती है।

1) हमे अपने चारो ओर साफ - सफाई रखनी चाहिए। हमें गंदगी नही फैलानी चाहिए।
2) हम मोटर वाहन की जगह साइकिल का प्रयोग कर सकते है।
3) पेड़ लगाकर और उनकी सुरक्षा करके हम अपना योगदान दे सकते है।
4) प्राकृतिक नियमो मे संतुलन बनाए रख कर और उनसे छेड़ छाड़ न करके हमे पर्यावरण-प्रदूषण रोक सकते है।

प्र०5 किन्ही तीन प्रश्नो के उत्तर दें।

(ख) दुलारी का टुन्नू से - - - - - - - - ?

उ० दुलारी का टुन्नू से परिचय कजली दंगल मे हुआ जब वे दोनो के प्रतिद्वंदी थे। दुलारी बजरडीहा वालो की तरफ से प्रतिनिधि थी और टुन्नू खोजवाँ वालों की ओर से था। दोनो ने कजली के द्वारा एक दूसरे पर आक्षेप किए और उत्तर दिया। यह उनका प्रथम परिचय था।

(ग) 'साना -साना हाथ जोड़ि' - - - - - - - - - - - ?

उ० जब किसी बौद्ध भिक्षु की मृत्यु होती है, तब किसी निर्जन स्थान पर एक सौ आठ मंत्र लिखी श्वेत पताकाएँ फहराई जाती हैं। इन्हें उतारा नहीं जाता। वे अपने आप नष्ट हो

जाती है।

किसी शुभ कार्य के आरंभ में रंगीन पताकाएँ फहराई जाती हैं।

(घ) 'साना-साना हाथ जोड़ि' - - - - - - - - - - - - - - - - ।

उ०- फौजी छावनी में लिखे वाक्य 'वी गिव अवर टुडे फॉर योर टुमारो' का अर्थ है हम अपने वर्तमान आपके भविष्य के लिए समर्पित कर देते हैं।' इसे पढ़कर लेखिका उदास इसलिए हो गई क्योंकि लेखिका सोचने लगी कि ये फौजी अपने घर - परिवार को छोड़कर इतनी कठिन परिस्थितियों में जीवन यापन करते हैं ताकि सब देशवासी सुरक्षित रह सकें। परंतु हम लोग इसके बदले उनके परिवार के प्रति अपना कर्तव्य नहीं निभाते।

खण्ड - घ

प्र० - निबंध

क) कम्प्यूटर आज की आवश्यकता

आज के इस वैज्ञानिक युग में मनुष्य ने इतनी प्रगति कर ~~लि~~ ली है कि आज मनुष्य विश्व के किसी भी कोने में रहकर संपूर्ण विश्व को जान सकता है। विज्ञान अर्थात विशेष ज्ञान। इसने मानव जीवन को सरल बना दिया है। विज्ञान के आविष्कार आज हमारे चारों तरफ समाए हैं। उन्हीं आविष्कारों

मे एक सबसे महत्वपूर्ण आविष्कार है - कम्प्यूटर का आविष्कार। कम्प्यूटर आज की एक महत्वपूर्ण आवश्यकता बन गया है। सचमुच आज का युग कम्प्यूटर युग बन गया है। कम्प्यूटर हमारे प्रत्येक कार्य को आसान कर देता है। शायद ही कोई ऐसा क्षेत्र होगा जहाँ कम्प्यूटर का प्रयोग न होता होगा। आज छोटे से बच्चे को भी कम्प्यूटर का प्रयोग मालूम है। स्कूलों मे विद्यार्थियों को कम्प्यूटर सिखाया जाता है। कम्प्यूटर द्वारा विद्यार्थियों का परीक्षा - परिणाम और सारी जानकारियाँ रखी जाती है। व्यवसाय मे भी कम्प्यूटर का प्रयोग होता है। कम्प्यूटर से अपने सारी व्यवसाय की जानकारी को एकत्र रखा जाता है। व्यवसाय को बढ़ाने मे भी कंप्यूटर का प्रयोग ~~अति~~ महत्वपूर्ण है। अस्पतालों में भी कंप्यूटर का प्रयोग किया जाता है। रेल टिकट हो या हवाई टिकट सबको कंप्यूटर द्वारा परिचालित किया जाता है। कंप्यूटर मे उपलब्ध इंटरनेट हमें विश्व की जानकारी देते है। अब तो कंप्यूटर का छोटा रूप आ गया है जिसे लैपटोप कहा जाता है। लैपटोप को तो हम कहीं भी ले -जा भी सकते है। कंप्यूटर हमारी जिंदगी को बहुत आसान कर दिया है। रसोईघर के लिए भी कंप्यूटर का प्रयोग किया जा सकता है। इंटरनेट से खाने बनाने की विधि बहुत उपयोगी होती है। आज कंप्यूटर प्रत्येक व्यक्ति की जरूरत है। यह एक प्रकार से मानव जाति को सूचना प्रौद्योगिकी का वरदान है। कंप्यूटर के अधिक प्रयोग से सेहत को भी नुकसान पहुँचता है। अतः हमें कंप्यूटर का प्रयोग नियमित मात्रा में करना चाहिए।

प्रश्न – पत्र वार्षिक परीक्षा - - - - - - - - - - पत्र।

परीक्षा भवन
केंद्र के. ख. ग.
च. छ. ज. नगर
5 मार्च 2013

प्रिय मित्र
मैं यहाँ कुशल हूँ। आशा करती हूँ कि तुम भी वहाँ कुशल होगी। तुम तो जानते ही हो ~~अब~~ अभी कुछ दिन पूर्व हमारी वार्षिक परीक्षा की समाप्ति हुई है। इस बार तो हमारे दसवीं कक्षा की बोर्ड की परीक्षा थी। ~~या~~ यह हमारे लिए नया अनुभव था। परीक्षा केंद्र में हमें पहले प्रश्न पत्र ~~3~~ पढ़ने के लिए पंद्रह मिनट दिए जाते थे। प्रश्न पत्रों को हल करने के लिए तीन घंटे का समय होता था। प्रश्न पत्र में कुछ प्रश्न जटिल थे और कुछ आसान। परंतु उसे हल करने में एकाग्रता की आवश्यकता थी। मैंने अपनी तरफ से पूरा प्रयास किया। कुछ प्रयास अच्छे रहे और कुछ बुरे। इन प्रयासों का फल भी मिलेगा। परंतु कुल मिलाकर इस बार परीक्षा अच्छी रही। आशा करती हूँ तुम्हारे लिए भी यह अच्छा अनुभव रहा होगा। शेष बातें मिलने पर।
बड़ों को मेरा प्रणाम और छोटों को प्यार देना।

तुम्हारी मित्र
अ. ब. स.